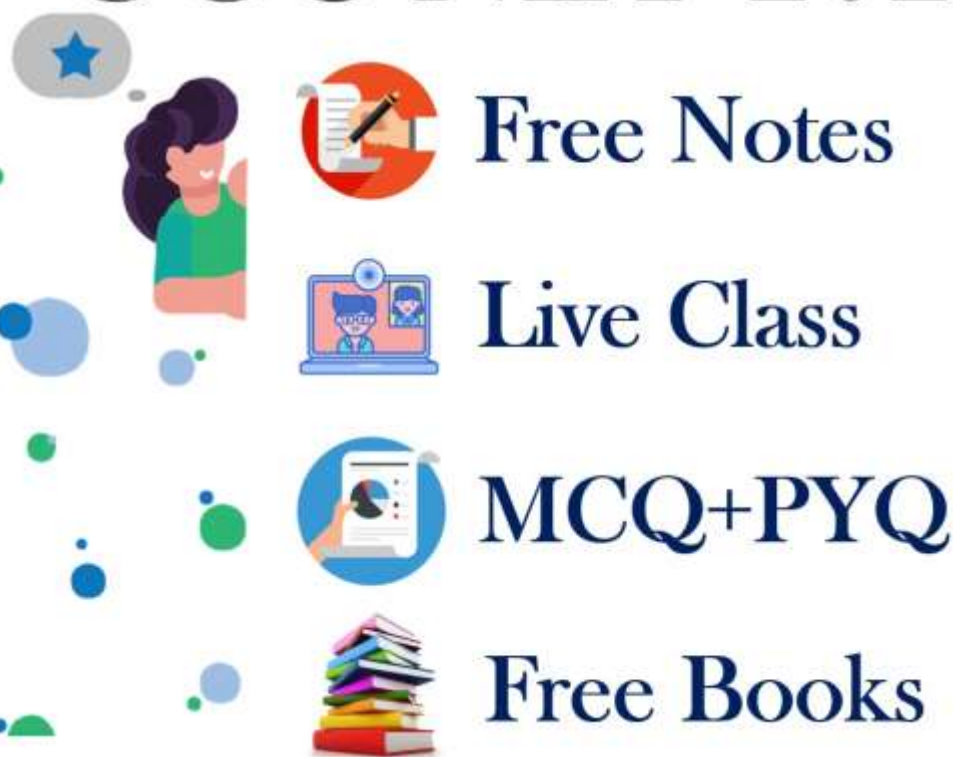




राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency

Excellence in Assessment

Free Batch Dec Exam UGC NET 2022



UGC NET 100%

Off Free Class



Free Notes



PYQ with Ans



100+ Mock Test

fillerform

Filler Form

LATEST UPLOADS

UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude

"Level of Teaching"



इस

त

www.filler

11:00 AM Level Of Teaching | Teaching

इस बार :

11:00 AM Level Of Teaching | Teaching
Aptitude By Jitendra Goswami | NET

इस बार :
ugc ne

LEARNING MATERIAL



Quizzes

Notes



Sample
Papers

Download Now!



www.ugc-net.com



नया बैच प्रारंभ

October

17

UGC NET Dec 2022



09:00 AM

MCQ Class



12:00 PM

Math, DI Class



11:00 AM

Paper 1st



02:00 PM

ICT Class

www.ugc-net.com

fillerform 8209837844

UGC NET Paper-I: Teaching Aptitude

शिक्षकों के मूल्यांकन के लिए एक आवश्यक उपकरण है। यह उन व्यक्तियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने का एक तरीका है जो शिक्षण के पेशे को अपनाना चाहते हैं। यह विधि एक सफल शिक्षक बनने के लिए आवश्यक गुणों को संदर्भित करती है।

is an essential tool for the assessment of teachers. It is a mode of evaluating the performance of individuals who wish to pursue the profession of teaching. This method refers to the necessary qualities required to become a successful teacher.

1. शिक्षण की अवधारणा

शिक्षण को एक ऐसी गतिविधि के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो बच्चे को वांछित ज्ञान और कौशल और समाज में रहने के वांछित तरीकों को सीखने और प्राप्त करने का कारण बनता है। शिक्षण एक प्रक्रिया है जिसे औपचारिक या अनौपचारिक रूप से किया जा सकता है। अनौपचारिक शिक्षण परिवार के भीतर होता है जबकि औपचारिक शिक्षण परिवार के बाहर होता है। औपचारिक शिक्षण अनुभवी शिक्षकों, शिक्षकों, संपादकों आदि द्वारा किया जाना चाहिए।

1. Concept of Teaching

Teaching can be defined as an activity that causes the child to learn and acquire the desired knowledge and skills and also the desired ways of living in society. Teaching is a process which can be carried out formally or informally. Informal teaching takes place within the family while formal teaching takes place outside the family. Formal teaching should be carried out by experienced faculty, teachers, editors etc.

. Characteristics of Teaching

- शिक्षण गतिशील वातावरण में होता है।
- शिक्षण एक संज्ञानात्मक गतिविधि है।
- शिक्षण में अध्ययन और प्रशिक्षण की एक लंबी अवधि शामिल है।
- इसमें उच्च स्तर की स्वायत्तता है।
- यह एक सतत पेशा है।
- यह एक कला भी है और विज्ञान भी।
- यह शिक्षा, सीखने और प्रशिक्षण से निकटता से संबंधित है।
- यह एक प्रकार की समाज सेवा है और इसमें शिक्षण के विभिन्न स्तर हैं।
- Teaching takes place in a dynamic environment.
- Teaching is a cognitive activity.
- Teaching includes a lengthy period of study and training.
- It has a high degree of autonomy.
- It is a continuous profession.
- It is an art as well as a science.
- It is closely related to education, learning, and training.
- It is a type of social service and has different levels of teaching.

3. शिक्षण को प्रभावित करने वाले कारक

निम्नलिखित कारक हैं जो शिक्षण की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं:

शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता।

एक शिक्षक को अपने कार्य को प्रभावी ढंग से करने के लिए पर्याप्त कौशल की आवश्यकता होती है।

अनुभवी शिक्षक छात्र के प्रश्नों और कक्षा प्रबंधन को बेहतर ढंग से संभालते हैं।

कक्षा के वातावरण को शिक्षण-अधिगम वातावरण का समर्थन करना चाहिए और शिक्षक इस गतिविधि को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

3. Factors affecting Teaching

Following are the factors that affect the process of teaching:

Educational qualification of the teachers.

Adequate skills are required for a teacher to carry his work effectively.

Experienced teachers better handle the student's queries and classroom management.

The classroom environment should support the teaching-learning environment and the teacher plays a vital role in handling this activity.

4. शिक्षण के तरीके

यहाँ कुछ महत्वपूर्ण शिक्षण विधियाँ हैं:

(एक)। शिक्षक केंद्रित रणनीति

शिक्षक-केंद्रित रणनीतियाँ निम्नलिखित हैं:

व्याख्यान विधि: व्याख्यान विधि शिक्षण की एक प्रक्रिया है जिसमें शिक्षक अपने छात्रों को नियोजित तथ्यों के बारे में बताता है। छात्र सुनते हैं और नोट्स लेते हैं। इस पद्धति की सफलता शिक्षक की अच्छे लहजे और शैली में धाराप्रवाह बोलने की क्षमता पर निर्भर करती है।

4. Methods of teaching

Here are some important teaching methods:

(a). Teacher-centred strategy

Following are the teacher-centred strategies:

Lecture Method: Lecture Method is a process of teaching in which the teacher tells his/her students about the planned facts. The students listen and take notes. The success of this method depends on the ability of the teacher to speak fluently in a good tone and style.

टीम शिक्षण: टीम शिक्षण में प्रशिक्षकों का एक बैच शामिल होता है जो छात्रों के एक समूह की नियमित रूप से मदद करते हैं और विभिन्न अवधारणाओं को सीखने के लिए उनके साथ सहयोग करते हैं। शिक्षक मिलकर अपना पाठ्यक्रम तैयार करते हैं, पाठ्यक्रम तैयार करते हैं, पाठ योजना तैयार करते हैं, पढ़ाते हैं, मार्गदर्शन करते हैं और छात्रों के परिणामों का मूल्यांकन करते हैं। वे छात्रों के विश्लेषण को साझा करते हैं और छात्रों को यह भी सुझाव देते हैं कि कौन सा दृष्टिकोण बेहतर है।

Team Teaching: Team teaching includes a batch of instructors who help a group of students regularly and cooperate with them to learn the different concepts. Teachers together prepare their course, frame the syllabus, prepare the lesson plans, teach, guide and evaluate the results of the students. They share student's analysis and also suggest students to decide which approach is better.

टीवी या वीडियो प्रस्तुति: यह एक बेहतर तरीका है जिसमें इसमें रेडियो या ऑडियो प्रस्तुति शामिल है, और यह वस्तुतः पूरी दुनिया को कक्षा के अंदर ला सकता है। एक कार्य की चर्चा के बाद वीडियो प्रस्तुति की स्क्रीनिंग की जाती है।

TV or Video Presentation: It is an improved method in which it involves radio or audio presentation, and it can virtually bring the whole world inside the classroom. Screening of video presentation is followed by the discussion of a task.

मिश्रित रणनीति

इस रणनीति के तरीके निम्नलिखित हैं:

समूह चर्चा: चर्चा के तरीके छात्र की सोच, सीखने, समस्या को सुलझाने और समझने के मकसद से शिक्षक और छात्रों के बीच विचारों के मुक्त, सहयोगी आदान-प्रदान के लिए एक मंच तैयार करते हैं। प्रतिभागी अपने अनूठे दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं, दूसरे के विचारों को सुनते हैं और फिर अपने विचारों को बेहतर तरीके से प्रस्तुत करते हैं ताकि उनके ज्ञान, समझ या विषय या विषय की व्याख्या में वृद्धि हो सके।

Mixed strategy

Following are the methods of this strategy:

Group Discussion: Discussion methods set a platform for the open-ended, collaborative exchange of ideas among the teacher and students with the motive to increase the student's thinking, learning, problem-solving, and understanding. Participants present their unique points of view, listen to other's ideas and then present their ideas in a better way as to increase their knowledge, understanding, or interpretation of the matter or topic.

ब्रेनस्टॉर्मिंग: यह समूह रचनात्मकता है जिसमें किसी विशेष समस्या के लिए एक प्रासंगिक निष्कर्ष या समाधान खोजने का प्रयास किया जाता है, इसके सदस्यों द्वारा सहज रूप से योगदान किए गए विभिन्न विचारों या सुझावों को सूचीबद्ध किया जाता है।

Brainstorming: It is group creativity in which efforts are made to find a relevant conclusion or solution for a particular problem by listing out different ideas or suggestions spontaneously contributed by its members.

परियोजना पद्धति: परियोजना पद्धति शिक्षण की उन्नत विधियों में से एक है जिसमें पाठ्यचर्या के डिजाइन और अध्ययन की सामग्री में छात्र के दृष्टिकोण को महत्व दिया जाता है। यह पद्धति व्यावहारिकता के दर्शन और 'करके सीखना' के सिद्धांत पर आधारित है।

लघु समूह शिक्षण पद्धति की कुछ अन्य विधियाँ रोल-प्लेइंग विधि, अनुकरण, प्रदर्शन विधि, ट्यूटोरियल आदि हैं।

Project method: Project method is one of the advanced methods of teaching in which, the student's point of view is given importance in the design of the curriculum and content of studies. This method is based on the philosophy of Pragmatism and the principle of 'Learning by doing.'

Some other methods of small group teaching method are the role-playing method, simulation, demonstration method, tutorial etc.

(सी)। छात्र केंद्रित रणनीति

निम्नलिखित रणनीतियाँ शिक्षाओं की निम्नलिखित पद्धति को कवर करती हैं:

असाइनमेंट: एक असाइनमेंट एक शिक्षण पद्धति है जिसे व्यक्तिगत रूप से या समूह में दोनों तरह से किया जा सकता है, जो छात्रों को व्यक्तिगत शैक्षणिक दक्षताओं को प्राप्त करने में सहायता करता है। असाइनमेंट पूरा करने के लिए कोई संपर्क घंटे की पेशकश नहीं की जाती है, और छात्रों को अपने समय में कार्य पूरा करना होता है।

(c). Student-centred strategy

The following strategies cover the following method of teachings:

Assignments: An assignment is a teaching method that can be done both individually or in a group, that assist the students to acquire individual academic competencies. No contact hours are offered for the completion of the assignment, and the students have to carry out the task in their own time.

केस स्टडी: केस पद्धति सबसे शक्तिशाली छात्र-केंद्रित शिक्षण रणनीति है जो छात्रों को महत्वपूर्ण सोच, संचार और पारस्परिक कौशल प्रदान करती है। विभिन्न केस स्टडी में काम करने से छात्रों को सूचना साक्षरता को बढ़ावा देने, डेटा के कई स्रोतों का शोध और मूल्यांकन करने में मदद मिलती है।

Case study: The case method is the most powerful student-centred teaching strategy that imparts students with critical thinking, communication, and interpersonal skills. Working in different case study helps the students to research and evaluate multiple sources of data, fostering information literacy.

क्रमादेशित निर्देश: यह एक शोध-आधारित प्रणाली है जो छात्रों को नियंत्रित चरणों के एक क्रमिक क्रम में सीखने में मदद करती है। इसकी खोज सिडनी एल प्रेसी ने की थी।

कंप्यूटर की सहायता से सीखना: इस पद्धति में, कंप्यूटर का उपयोग निर्देशात्मक सामग्री को प्रस्तुत करने और होने वाले सीखने की निगरानी के लिए किया जाता है।

Programmed instruction: It is a research-based system that helps the students to learn in a graded sequence of controlled steps. It is discovered by Sydney L. Pressey.

Computer-assisted learning: In this method, the computer is used to present the instructional material and monitor the learning that takes place.

ह्यूरेस्टिक विधि: इस विधि की खोज डॉ. एच. ई. आर्मस्ट्रांग ने की थी। यह समस्या-समाधान, सीखने या खोज के लिए एक दृष्टिकोण है जो एक व्यावहारिक पद्धति को नियोजित करता है, लेकिन इसके बजाय एक तत्काल लक्ष्य तक पहुँचने के लिए पर्याप्त है।

Heuristic method: This method was discovered by Dr H. E. Armstrong. It is an approach to problem-solving, learning, or discovery that employs a practical method but instead sufficient for reaching an immediate goal.

(डी)। शिक्षण में मददगार सामग्री

शिक्षण सहायक सामग्री शिक्षक या शिक्षक द्वारा कक्षा में अपने शिक्षण को प्रभावी और आसान बनाने के लिए उपयोग की जाती है ताकि छात्रों को आसानी से समझा जा सके। शिक्षण सहायक सामग्री के विभिन्न प्रकार हैं:

(d). Teaching Aids

Teaching aids are the aids used by the facilitator or a teacher in the classroom to make his/her teaching effective and easy so that the students can be understood easily. There are different types of teaching aids:

श्रव्य साधन: ये साधन सुनने की भावना के उपयोग का पता लगाते हैं, उदाहरण के लिए रेडियो, टेप रिकॉर्डर, भाषा प्रयोगशालाएँ आदि।

विजुअल एड्स: ये एड्स केवल दृश्य की भावना का उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए चॉकबोर्ड, सॉफ्ट बोर्ड, मानचित्र, चित्र, फ्लैशकार्ड, मानचित्र आदि।

ऑडियो-विजुअल एड्स: यह सुनने और देखने दोनों की इंद्रियों का उपयोग करता है। उदाहरण के लिए टेलीविजन, फिल्म, कंप्यूटर, फिल्म-स्ट्रिप आदि।

Audio Aids: These aids find the usage of the sense of hearing for example radio, tape recorders, language laboratories etc.

Visual Aids: These aids use the sense of visual only. For example chalkboards, soft boards, maps, pictures, flashcards, maps etc.

Audio-Visual Aids: This makes use of both sense of hearing and vision. For example television, films, computers, film-strips etc.



जिसने भी खुद को खर्च
किया है,
DUNIYA ने उसी को
GOOGLE पर SEARCH
किया है।



2



www.fillerform.com



fillerform